RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

हरियाणा बैच

HISTORY

असहयोग आंदोलन

Part -2

LIVE 11-06-2024 09:00 AM

⇒ गांधी जी द्वारा चलाया गया प्रथम जन आंदोलन था — असहयोग आन्दोलन

⇒ एक वर्ष में स्वराज का नारा किसने दिया था :- महात्मा गांधी ने असहयोग आन्दोलन के दौरान

⇒ कांग्रेस के किस अधिवेशन में स्वशासन के स्थान पर स्वराज को नया लक्ष्य घोषित किया गया था

→ दिसम्बर 1920 के नागपुर अधिवेशन में

⇒ असहयोग आन्दोलन के दौरान भारत का गवर्नर जनरल कौन था

↳ चेम्सफोर्ड

चौरी-चौरा काण्ड

⇒ 4-5 फरवरी 1922 ई० को गोरखपुर जनपद के चौरी-चौरा नामक स्थान पर उग्र भीड़ ने पुलिस चौकी को जला दिया, जिसमें 22 पुलिस कर्मियों की जलकर हत्या हो जाती है।

⇒ भीड़ का नेतृत्व :- भगवान अहीर

⇒ चौरी-चौरा घटना की जानकारी गाँधी जी को गोरखपुर के दशरथ प्रसाद द्विवेदी ने तार के माध्यम से दी थी।

⇒ चौरी-चौरा काण्ड के अभियुक्तों का मुकदमा मदन मोहन मालवीय ने लड़ा था।

⇒ चौरी-चौरा घटना के समय गाँधी जी बारदोली में थे।

⇒ गांधीजी ने चौरी-चौरा घटना के बाद असहयोग आन्दोलन को अपनी हिमालय जैसी भूल बताया था।

⇒ असहयोग आन्दोलन समाप्त : 12 फरवरी 1922 को बारदोली में कांग्रेस की कार्य समिति की बैठक में

⇒ दिल्ली में 24 फरवरी 1922 को आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में असहयोग आन्दोलन वापिस लेने के लिए गांधी जी के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव किसने पेश किया था - डा॰ मुंजे

⇒ असहयोग आंदोलन के दौरान बिहार में कृषको का नेतृत्व किसने किया था → स्वामी विद्यानंद

⇒ आन्दोलन की समाप्ति के बाद गांधी जी की स्थिति कमजोर हुई तथा सरकार ने 10 March 1922 को गांधी जी को गिरफ्तार कर लिया।

⇒ सजा :- 6 वर्ष ⇒ न्यायधीश ब्रुमफील्ड ने असंतोष भड़काने के कारण

रिहा :- 5 feb 1924 ई० को स्वास्थ्य खराब होने के कारण

⇒ गांधीजी को यह किसने आदेशित किया था कि वह भारत में प्रथम वर्ष 'खुले कान पर मुँह बंद कर' व्यतीत करें :- → गोपाल कृष्ण गोखले ने

स्वराज पार्टी :

⇒ स्थापना :- 1923 ई० को प्रयागराज में

⇒ संस्थापक :- सी० आर० दास (अध्यक्ष) व मोतीलाल नेहरू (महासचिव)

⇒ समर्थक :- विट्ठल भाई पटेल, हकीम अजमल खां, श्रीनिवास आयंगर, पं० मदन मोहन मालवीय, एम० आर० जयकर

⇒ उद्देश्य : ① भारत को स्वराज दिलाना ।

② परिषद् में प्रवेश कर असहयोग के कार्यक्रमों को अपनाना और असहयोग आन्दोलन को सफल बनाना ।

⇒ स्वराज आम जनता के लिए होना चाहिए केवल वर्गों के लिए नहीं, इस प्रसिद्ध सूत्र की घोषणा की थी - C.R. DASH

⇒ सेंट्रल लैजिस्लेटिव असेंबली का प्रथम भारतीय स्पीकर :- विट्ठलभाई जे पटेल

⇒ Nov, 1924 में महात्मा गाँधी, C.R. दास व मोतीलाल नेहरू के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ, जिसे जाना जाता है। → गाँधी-दास पैक्ट के नाम से